दैनिक
क्रांति समय
सुरत से प्रकाशित प्रात:कालीन
RNI.No. : GUJHIN/2018/75100
संपादक : सुरेश मौया मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com
वर्ष: 2 अंक: 53, पेज: 4, मुल्य 1 रु. शुक्रवार 24 अप्रैल 2020 ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोरोना संक्रमितों की संख्या हुई 23000 के पार,

अकेले महाराष्ट्र में 6000 से अधिक मामले

नई दिल्ली । कोरोना वायरस के संक्रमण से पीड़ित लोगों की संख्या भारत में बढ़कर गुरुवार को 23019 पहुंच गई। इस घातक बीमारी से अब तक देश में 721 लोगों की मौत हो चुकी है। हालांकि 5008 लोग ठीक भी हुए हैं। 17290 लोग अभी भी इलाज करा रहे हैं। इनमें से 80: लोगों में इस बीमारी का संक्रमण बहुत मामूली है।

कोरोना वायरस से सर्वाधिक प्रभावित महाराष्ट्र में गुरुवार को 778 नए मामले सामने आने के बाद पीड़ितों की संख्या 6427 पहुंच गई। यहां पर 283 लोगों की मौत हो चुकी है और 840 लोग ठीक होने में कामयाब हुए हैं। इस प्रकार 5304 लोगों का महाराष्ट्र में इलाज चल रहा है। गुजरात, दिल्ली और राजस्थान भी ऐसे राज्य हैं जहां कोरोना पीड़ितों का आंकड़ा दो हजार से ऊपर अथवा दो हजार के करीब है। गुजरात में आज 217 नए मामले सामने आने के बाद पीड़ितों की संख्या 2624 हो गई जिसमें से 258 ठीक हो चुके हैं, 112 की मौत हो चुकी है और 2254 का इलाज चल रहा है। देश की राजधानी दिल्ली में भी कोरोना से संक्रमित लोगों की संख्या 2376 पहुंच चुकी है। गुरुवार को यहां 128 नए मामले सामने आए। सुकून की बात यह है कि यहां पर महाराष्ट्र के बाद सबसे ज्यादा 808 लोग इस बीमारी को मात देने में कामयाब हुए हैं, जबकि 50 लोगों की मृत्यु हो चुकी है। इस प्रकार दिल्ली में 1518 सक्रिय मामले हैं। राजस्थान में भी संक्रमण 2000 के करीब पहुंचने वाला है। गुरुवार को यहां पर 76 नए मामले सामने आने के बाद पीड़ितों की संख्या 1964 हो गई जिनमें से 451 ठीक हो चुके हैं, 28 लोगों की मौत हुई है और 1485 का इलाज चल रहा है। मध्यप्रदेश में भी कोरोना का संक्रमण तेजी से बढ़ रहा है। यहां गुरुवार के 100 नए मामले सामने आने के बाद पीड़ितों की संख्या 1687 पहुंच गई, जिसमें से 203 ठीक हो चुके हैं 83 की मृत्यु हो चुकी है और 1401 का इलाज चल रहा है। तमिलनाडु में आज 54 मामले सामने आए इसके बाद यहां पीड़ितों की संख्या 1683 पहुंच गई, जिनमें से 752 ठीक हो चुके हैं, लेकिन 20 की मृत्यु हो गई है और 911 का इलाज चल रहा है। उत्तरप्रदेश में आज 61 नए रोगी सामने आने के बाद कोरोनावायरस पीड़ितों की संख्या 1510 पहुंच गई। जिसमें से 200 अच्छे–अच्छे चुके हैं, 24 की मौत हो गई है और 1280 का इलाज चल रहा है।

इस प्रकार इन सात राज्य में पीड़ितों की संख्या 18271 है जो कि देश के संपूर्ण संक्रमित लोगों का 79.37: है। इन राज्यों में देश की जनसंख्या का लगभग 60: निवास करता है। महानगरों की बात करें तो मुंबई, दिल्ली, अहमदाबाद और इंदौर जैसे महानगरों में पीड़ितों की संख्या देश के अन्य महानगरों के मुकाबले बहुत अधिक है। इस ट्रेंड को देखकर यह कहा जा सकता है कि मुख्यत: घनी जनसंख्या वाले राज्यों में कोरोनावायरस का प्रकोप कुछ ज्यादा है। इसके अलावा तेलंगाना, आंध्र प्रदेश जैसे राज्य में क्रमश: 970 और 893 मामले सामने आए हैं। पश्चिम बंगाल और केरल में भी संक्रमित लोगों की संख्या बढ़ रही है, लेकिन यह गति उतनी ज्यादा नहीं है। बड़े राज्यों में कर्नाटक में आज केवल 10 में संक्रमित पाए गए। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर में भी संक्रमण के 27 नए मामले सामने आने के बाद पीड़ितों की संख्या 434 पहुंच गई। बाकी राज्यों में नए संक्रमण के मामले इकाई में ही रहे। जहां तक कोरोनावायरस के टेस्ट की बात है, देश में अभी भी 50000 से कम टेस्ट प्रतिदिन हो रहे हैं। इसलिए पीड़ितों की वास्तविक संख्या अधिकतम कितनी हो सकती है इसका अनुमान लगाना संभव नहीं है।

सुकून की बात यह है कि देश में ठीक होने वालों की संख्या दुनिया के अन्य देशों के मुकाबले संतोषप्रद है। एक लाख लोगों पर संक्रमण की दर भी तुर्की के बराबर है और यूरोपीय देशों तथा अमेरिका से कम है।

इन सबके बीच लॉक डाउन खत्म होने में अब केवल 11 दिन का समय बचा हुआ है। ऐसी स्थिति में आगे की रणनीति क्या हो सकती है इस बारे में जानने की उत्सुकता पूरे देश को है। क्या उन प्रदेशों को राहत दी जा सकेगी जहां पर यह संक्रमण बहुत तेजी से फैल रहा है। गोवा, मणिपुर, त्रिपुरा अरुणाचल प्रदेश जैसे छोटे राज्य कोरोना से मुक्त हो चुके हैं। वहीं लद्दाख जैसे कुछ केंद्र शासित प्रदेशों में संक्रमण समाप्ति की ओर है। देश के बहुत से हिस्सों से आशा जनक समाचार मिले हैं, लेकिन सात शीर्ष राज्यों में जो स्थिति बनी हुई है उसको देखकर सरकार चिंता में है, क्योंकि देश की अधिकांश आर्थिक गतिविधियों का केंद्र यह राज्य ही हैं।

शिशुओं को घर पर छोड़कर चे. कपोस्ट में सेवा कर रही महिला चिकित्सक –ईएलसी चौक में कर रहे स्कैनिंग, दे रहे सोसल डिस्टेसिंग की समझाईश

छिंदवाड़ा जबलपुर । पिंडरई कला स्वास्थ्य केन्द्र में अपनी सुविधाएं देने वाले आयुष चिकित्सक इन दिनों कोरोना फाइटर्स के रूप में अपनी सेवाएं ईएलसी चेक पोस्ट पर दे रहे हैं यहां वे आने जाने वालों की स्कैनिंग तो करते ही है साथ ही कोरोना से कैसे लड़ना है इस बात की जानकारी भी सोसल डिस्टेंसिंग के साथ देते हैं। चेक पोस्ट पर तैनात डॉ निधि शर्मा अपने छोटे से बच्चे के घर पर छोडकर, डॉ रेणु सूर्यवंशी छोटी बच्ची एवं बीमार ससुर को छोडकर अपने कर्तव्य को निभा रहे हैं वहीं डॉ संदीप कटारिया रात भर 12 घंटे की ड्यूटी निभाते हैं। डॉ विवेक नागपुरे एवं डॉ कृष्णा चौधरी समेत डॉ सौरभ सूर्यवंशी भी अलग अगल चेकपोस्ट पर अपनी रात्रिकालीन सेवाएं दे रहे हैं

जामा मस्जिद इलाके में 1 ही परिवार के 11 लोग कोरोना संक्रमित

नई दिल्लीं । दिल्ली के जामा मस्जिद इलाके में एक ही परिवार के 11 लोग कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। ये जामा मस्जिद के गली चूड़ी वालान का मामला है। परिवार का एक सदस्य विदेश से लौटा था। उसके बाद परिवार के सदस्यों में संक्रमण फैला। टेस्ट के बाद परिवार के 18 में से 11 सदस्य पॉजिटिव पाए गए हैं। दरअसल, गली चूड़ी वालान में तीन भाइयों की ज्वाइंट फैमिली रहती है, जिसमें 18 सदस्य हैं। परिवार का एक सदस्य विदेश से लौटा था। उसे कोरोना पॉजिटिव पाया गया था और उसका इलाज मैक्स अस्पताल में चल रहा है। इसके बाद सबने प्राइवेट लैब में अपना कोरोना का टेस्ट कराया था, जिसके बाद 11 लोग कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। संक्रमित मिले 11 लोगों में एक डेढ़ महीने का और एक 12 साल का बच्चा शामिल है। तीन की हालत गंभीर है, जिन्हें दिल्ली के एलएनजेपी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि जब परिवार के कुछ सदस्यों की तबीयत ज्यादा बिगड़ी तो वो खुद ही भर्ती होने के लिए अस्पताल पहुंचे। परिवार की शिकायत है कि इलाके के एसएचओ को जानकारी देने का बावजूद किसी ने उनकी मदद नहीं की। सीएमओ ने कहा कि 3 लोगों को एलएनजेपी में दाखिल कर लिया गया है, बाकी को क्वारनटीन किया गया है। डीएसओ को इनकी जिम्मेदारी दी गई है। बाकी मरीजों को दूसरे अस्पताल भेजा जाएगा।इसके साथ ही दिल्ली में कोरोना के मरीजों की तादाद भी तेजी से बढ़ी है। राजधानी में कोरोना के 92 नए मरीज सामने आए हैं। वहीं पिछले 24 घंटे में एक संक्रमित की मौत हो गई। दिल्ली में पॉजिटिव केस की संख्या 2186 हो चुकी है, जबकि अब तक 611 मरीज ठीक हुए हैं। इस जानलेवा बीमारी की चपेट में आकर अब तक 48 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं।

तीनों सेनाओं को फिलहाल खरीद डील रोकने को कहा गया

नई दिल्ली । विश्व में तबाही मचाने वाले कोरोना संकट का असर अब भारत के रक्षा सौदों पर भी पड़ गया है। कोरोना लॉकडाउन से उपजे संकट के हालात ने सशस्त्र बलों के लिए बजट में भी कटौती को मजबूर कर दिया है। रक्षा मंत्रालय की ओर से तीनों सेनाओं (थल सेना, वायुसेना और नौसेना) से कोरोना संकट जारी रहने तक अपने आधुनिकीकरण के लिए किए जा रहे रक्षा सौदों की प्रक्रिया को फिलहाल रोकने के लिए कहा गया है। रक्षा मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार कि सैन्य मामलों के विभाग द्वारा एक पत्र लिखा गया है, जिसमें जब तक देश में कोविड–19 संकट की स्थिति बनी रहती है, तब तक तीनों सेनाओं को अपनी पूंजी अधिग्रहण प्रक्रियाओं (रक्षा सौदों) को रोकने के लिए कहा गया है। उन्होंने कहा कि सशस्त्र बलों को अपनी सभी अलग–अलग चरणों में मौजूद अधिग्रहण प्रक्रियाओं को रोक कर रखने के लिए कहा गया है। यानी इन सभी डील पर विराम लग गया है, कोरोना संकट के बाद अलग–अलग डील को वहीं से आगे बढ़ाया जाएगा। तीनों सेनाएं अपने आधुनिकीकरण के लिए कई रक्षा सौदों की प्रक्रिया में हैं, जो अलग–अलग चरणों में हैं। जहां इंडियन एयरफोर्स फ्रांस से 36 राफेल लड़ाकू विमान और रूस से एस–400 वायु रक्षा हथियार प्रणाली के लिए भुगतान करने की प्रक्रिया में है। वहीं इंडियन आर्मी भी अमेरिका और रूस समेत कई देशों से टैंक, आर्टिलरी गन और असॉल्ट राइफल भी खरीद रही है। इसके अलावा, नेवी ने भी हाल ही में अमेरिका से 24 मल्टीरोल चॉपर्स (हेलिकॉप्टर) के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किया है।

भारत में कोरोना वायरस संक्रमण के नए मामलो में गुरुवार की तुलना में आज थोड़ी कमी देखने को मिली है। पिछले 12 घंटे में कोरोना वायरस के 922 नए मामले सामने आए हैं, वहीं 29 लोगों की मौत हो गई है। गुरुवार को जारी स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, देश में कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या बढ़कर 21393 हो गई है। वहीं, इस खतरनाक कोविड–19 महामारी से मरने वालों का आंकड़ा 681 पहुंच गया है। कोरोना वायरस के कुल 21393 मामलों में से 16454 एक्टिव केस हैं। इसके अलावा, 4258 लोग पूरी तरह से ठीक हो गए हैं या उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। कोरोना वायरस से सर्वाधिक 269 लोगों की मौत महाराष्ट्र में हुई। यहां अब इस महामारी से पीड़ितों की संख्या 6710 हो गई है।

93.5 फीसदी भारतीयों को यकीन, मोदी सरकार कोरोना संकट से बहुत असरदार तरीके से निपट रही: सवे

नई दिल्लीं कोरोना संकट से जूझ रहे देश में पीएम नरेंद्र मोदी ने कोरोना वॉरियर्स के प्रोत्साहन के लिए दो बार जनता से अपील की। उनकी अपील पर लोगों ने 22 मार्च को ताली, थाली, घंटी, शंख बजाए, फिर 5 अप्रैल को रात 9 बजे 9 मिनट के लिए घरों की बत्तियां बंद कर मोमबत्ती, टॉर्च, फ्लैश लाइट जलाए। अब खबर आई है जिससे कोरोना के खिलाफ लड़ाई में खुद प्रधानमंत्री और उनकी सरकार के हौसले को बल मिलेगा, जनता के भरोसे का बल।

हाल में किए गए एक सर्वे में कहा गया है कि 93.5फीसदी भारतीयों को यकीन है कि मोदी सरकार कोरोना संकट से बहुत असरदार तरीके से निपट रही है। केंद्र सरकार ने 25 मार्च से 21 दिन के लिए देशव्यापी लॉकडाउन का ऐलान किया था जिसे 3 मई तक बढ़ा दिया गया है। आईएएनएस–सी–वोटर कोविड–19 ट्रैकर के मुताबिक, लॉकडाउन के पहले दिन 76.8फीसदी लोग मोदी सरकार पर भरोसा कर रहे थे। 21 अप्रैल तक 93.5फीसदी देशवासी मोदी सरकार के कदमों से खुश हैं और उनका मानना है कि सरकार कोरोना संकट से प्रभावी तौर पर निपट रही है। 16 मार्च से 21 अप्रैल के दौरान किए गए सर्वे में एक वाक्य लोगों के सामने रखा गया। यह वाक्या था, 'मुझे लगता है कि सरकार कोरोना वायरस के संकट से अच्छी तरह से निपट रही है।'

16 मार्च को 75.8फीसदी लोगों ने कहा कि उन्हें सरकार पर भरोसा है, लेकिन जब देश में लॉकडाउन का ऐलान हुआ तो ऐसा मानने वालों की संख्या बढ़ गई। बड़ी बात यह है कि 1 अप्रैल तक मोदी सरकार पर भरोसा करने वालों का प्रतिशत बढ़कर 89.9 हो गया जबकि एक दिन पहले 31 मार्च को 79.4फीसदी लोग ही सरकार के कामकाज पर यकीन था। यानी, एक दिन में मोदी सरकार पर भरोसा करने वालों में 10.5फीसदी का इजाफा हो गया।

दिल्ली–एनसीआर में बारिश शुरू, दिल्ली में छाए बादल

नई दिल्ली । एक बार फिर दिल्ली–एनसीआर में गुरुवार दोपहर को मौसम ने करवट बदली है। राजधानी दिल्ली के आसमान में जहां बादल छाए हुए हैं और हवाएं चल रही हैं। वहीं फरीदाबाद और गुरुग्राम में हो रही बारिश ने मौसम खुशनुमा बना दिया है। तेज हवाओं के साथ शुरू हुई बारिश के कारण तापमान में भी गिरावट आई है। हालांकि कुछ जगहों पर बारिश ने समस्या भी पैदा कर दी हैं। आज हुई इस बेमौसम बारिश के कारण बल्लभगढ़ अनाज मंडी में खुले में रखा हजारों बोरी गेहूं भी भीग गया। गुरुवार दोपहर से ही कई इलाकों में धूप धुंधली होने के साथ ही बादल छाने लगे थे। इस बीच गुरुग्राम और फरीदाबाद में जहां बादलों की गड़गड़ाहट के साथ बूंदाबांदी शुरू हो गई है। वहीं दिल्ली, गाजियाबाद, नोएडा में तेज हवाएं चल रही हैं और बादल छाए हुए हैं। हालांकि, कुछ जगहों पर हल्की बारिश के बाद मौसम फिर से साफ हो गया। अभी भी दिल्ली और एनसीआर के कई इलाकों में बादल छाए हुए और बारिश हो रही है।

मौसम विभाग ने आज सुबह ही दिल्ली और आसपास के इलाकों में दिनभर बादल छाए रहने और तेज हवाओं के साथ बारिश की संभावना जताई थी। दोपहर होते–होते मौसम विभाग का यह अनुमान सच साबित हो गया। बता दें कि कुछ दिन पहले भी दिल्ली–एनसीआर में कुछ इलाकों में हल्की बूंदाबांदी हुई थी, जिसके चलते मौसम में गिरावट आने के साथ ही ठंडक बढ़ गई थी। मौसम विभाग ने मानसून के आगमन और छंटने की तिथियों में बदलाव किया है। केरल में हालांकि मानसून के आने की तिथि पूर्व की भांति एक जून ही रहेगी, लेकिन यूपी, बिहार, झारखंड समेत देश के दस राज्यों में मानसून के आने की तिथियां तीन से दस दिन तक पीछे खिसकाई गई हैं। दिल्ली में मानसून पहुंचने

केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनरों के अतिरिक्त महंगाई भत्ते पर लगी रोक

नई दिल्ली । कोरोना संकट के बीच वित्त मंत्रालय ने जानकारी दी है कि केंद्रीय सरकार के कर्मचारियों को महंगाई भत्ता और केंद्रीय सरकार के पेंशनभोगियों के लिए महंगाई राहत की किस्त 1 जनवरी 2020 से देय नहीं होगी। 1 जुलाई 2020 और 1 जनवरी 2021 से डीए और डीआर की अतिरिक्त किस्तों का भी भुगतान नहीं किया जाएगा। हालांकि, वर्तमान दरों पर महंगाई भत्ता और महंगाई राहत का भुगतान जारी रहेगा। सरकार ने पर जुलाई 2021 तक रोक लगाई है। इससे सरकार 14000 करोड़ रुपए बचेंगे। केंद्रीय कैबिनेट ने मार्च महीने में डीए में 4: बढ़ाने की मंजूरी दी थी। बढ़ोतरी के बाद यह 21: तक पहुंच जाता। कोविड –19 लॉकडाउन की वजह से सरकार के टैक्स राजस्व में गिरावट आई है, जबकि कमजोर तबकों को आर्थिक मदद देने के कारण खर्चों में वृद्धि हुई है। इससे करीब 49.26 लाख केंद्र सरकार के कर्मचारी और 61।17 लाख पेंशनभोगी प्रभावित होंगे।

कोविड–19 वात्रक अस्पताल में चिकित्सकों के बीच मारपीट, एक डॉक्टर जख्मी

अरवल्ली जिले के कोविड–19 अस्पताल में किसी कारणवश चिकित्सकों के बीच मारपीट हो गईद्य मारपीट में एक चिकित्सक जख्मी हो गए पुलिलस ने घटनास्थल पर पहुंचकर परिस्थिति का जायजा लियां । राज्य में कोरोना वायरस की महामारी फैली हुई हैं । आज नए 52 केस दर्ज हुए हैद्य अब तक राज्य में 2559 केस दर्ज हुए है, और 105 लोगों की मौत हो चुकी हैद्य कोरोना वायरस के इलाज के लिए सरकार ने 26 जिले में निजी अस्पताल को कोविड–19 अस्पताल घोषित की है। जिसमें अरवल्ली के बायड में वात्रक अस्पताल को शामिल किया है । इस दौरान वात्रक अस्पताल में किसी कारण ावश चिकित्सकों के बीच मारपीट हो गई। जिसमें एक चिकित्सक कर्मी जख्मी हो गए । स्वास्थ्य कर्मी इस मामले को दबाने का प्रयास कर रहे होने की जानकारी सामने आ रही है । डॉक्टरों के बीच हुई मारपीट में पुलिस को बीच बचाव करना पडा । डॉक्टरों के बीच हुई मारपीट से कोविड–19 अस्पताल में भर्ती मरिजों में दहशत फैल गई

अफवाहों के सौदागर बनाम् आधे खाली पेट का दर्द...!!

संपादकीय सुरेश मौर्या

अफवाहों के सौदागर देश के दुश्मन बनते जा रहे हैं। एक ओर जहाँ भारत बड़े सुनियोजित तरीके से वैश्विक महामारी कोरोना से जंग लड़ रहा है कि वहीं कुछ सिरफिरे लोगों की कारस्तानी अलग ही तरीके के हालात बनाने में जुटी हुई है। बान्द्रा, सूरत सहित अन्य जगहों से आई तस्वीरें यही इशारा है। जब वक्त सबसे ज्यादा समझदारी दिखाने का है तब फर्जी सहानुभूति के बाजीगर अपनी करतूतों से बाज नहीं आ रहे हैं।

यह सही है कि कई राज्यों में रोजगार और मजदूरी के लिए गए प्रवासियों का वक्त बहुत नाजुक है। तकलीफों के पहाड़ हैं। लेकिन यह भी सच है कि मुसीबत के इस दौर का आधा सफर कट गया है। लॉकडाउन–2 वास्तव में का`रोना की कड़ी को तोड़ने का अचूक रामबाण है और इसे भेदने में हुई जरा सी चूक सारे किए पर पानी फेर देगी।

दरअसल यह वक्त राजनीति का नहीं कोरोना से जंग का है और सभी को मिलकर साथ रहना होगा। समय बहुत ही संयम से काम करने का है। प्रवासियों के पलायन का जो सच सामने आया है वह देश के साथ किसी संगीन अपराध से कम नहीं। यदि बान्द्रा के कुछ स्थानीय चैनलों ने ट्रेन चलाने का झूठ फैलाया है तो भी गंभीर है और हितैषी बने तथाकथित समाजसेवियों ने सोशल मीडिया पर गलत जानकारियाँ फैलाकर निरपराध प्रवासियों को मानसिक रूप से गुमराह कर और भी जघन्यतम अपराध कर डाला।

इंसानियत के दुश्मन ऐसे अपराधी कितने भी सूरमा हों देर–सबेर गिरफ्त में होंगे। लेकिन उनकी हरकतें इंसानियत का कितना नुकासन कर चुकी होंगी सोचकर ही रूप कांप उठती है। इन हरकतों से देश और समाज के सामने जो चुनौतियाँ हैं वह कतई माफी योग्य नहीं है। सारी दुनिया महामारी से जंग के दौर में है। विकसित और विकासशील देशों की दशा और मौत के आंकड़े डरा. वने हैं। दुनिया का दारोगा अमरीका तक पनाह माँग चुका है। चीन, इटली, स्पेन, फ्रान्स और न जाने कितने तथा. कथित सभ्य और सेहतमंद कहलाने वाले मुल्कों की दुर्दशा सामने है। ऐसे में भारत के लिए चुनौती बहुत बड़ी है।

सच है कि जब सामने मौत का खौफ हो तो दूर बैठा हर कोई अपनों के साथ रहना चाहता है पर यह भी सोचना होगा कि शायद पहली बार वक्त इसकी इजाजत क्यों नहीं दे रहा है? लेकिन जहाँ भी ऐसी घटनाएँ हो रही हैं उसका

दूसरा पहलू भी वहाँ की सरकारों और स्थानीय प्रशासन को समझना होगा। सबसे जरूरी अप्रवासी मजदूरों या कामगारों की खुराक का ध्यान रखना होगा। यह तबका रूखी–सूखी खाकर पेट भरने और परिवार को पालने के लिए ही दूसरे प्रदेश से आया है और वही एक वक्त आधा पेट खाए बिल. बिला कर रह जाए तो मार दोहरी होगी! इन्हें जरूरत के हिसाब से दो वक्त का खाना तो नसीब हो न कि सरकारी मीनू से क्योंकि सूरत से आई तस्वीरों ने यही सच दिखाया।

जहाँ भी बडी तादाद में अप्रवासी फँसे हों वहाँ उनको मनोवैज्ञानिक तरीके से समझाया, बुझाया जाए और दाल–रोटी का मुकम्मल इंतजाम हो। जिम्मेदार अफसरों की निगरानी हो ताकि भूख की ऐसी तस्वीरें दोबार न दिखे क्योंकि देश में पर्याप्त अनाज है। यह वक्त तमाम प्रदेशों में अप्रवासियों के लिए बड़े पहाड़ सा जरूर है लेकिन सभी राज्य सरकारों को हनुमान बन पहाड़ हाथ पर उठाना ही होगा ताकि परीक्षा की मुश्किल घड़ी भी चुपचाप कट जाए।

टाटा मोटर्स

ने जगुआर लैंड रोवर का उत्पादन ? किया बंद

–शेयर में बड़े उतार–चढ़ाव की आशंका

ऑटोमोबाइल सेक्टर की अग्रणी कंपनी टाटा मोटर्स ने चीन के बाहर जगुआर लैंड रोवर का उत्पादन अस्थायी तौर पर बंद कर दिया है। इस वजह से सोमवार को शेयर बाजार में कंपनी के शेयर में भारी उतार–चढ़ाव देखने को मिल सकता है। टाटा मोटर्स की सहायक कंपनी जेएलआर ने कहा है कि मार्च तिमाही में उसका उत्पादन 30.9 फीसदी घटकर 1,09,869 इकाई रह गया है, जिसके कारण वह अपने लागत तथा निवेश के साथ–साथ कार्यशील पूंजी का बेहद किफायती ढंग से प्रबंध न कर रही है। कोरोना वायरस महामारी के असर की वजह से ऑटोमबाइल कंपनी की प्रॉफिटिबेलिटी तथा कैश फ्लो पर अगले कुछ साल तक पड़ने वाले असर को लेकर क्रेडिट रेटिंग एजेंसी फिच ने टाटा मोटर्स के लॉन्ग टर्म इश्यूअर की रेटिंग (बीबी–)से घटाकर (बी) कर दिया। साथ ही कंपनी के आउटलुक को भी नेगेटिव कर दिया है। इसके अलावा, एसऐंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने भी कंपनी के अनसिक्यॉर्ड नोट्स की रेटिंग (बी+) से घटाकर (बी) कर दी है। पिछले वित्त वर्ष में जगुआर लैंड रोवर की खुदरा बिक्री 12.1फीसदी घटकर 5,08,659 इकाई रही है। जेएलआर की बिक्री सभी बाजारों में गिरी है। नॉर्थ अमेरिका में इसकी बिक्री 7.5फीसदी, चीन में 8.9फीसदी, ब्रिटेन में 9.6फीसदी, यूरोप में 16.1फीसदी तथा अन्य देशों में 20.3फीसदी गिरी है। मालूम हो कि कोरोना वायरस महामारी के कारण कंपनी को कई देशों में अपना उत्पादन बंद करना पड़ा है, जिसके कारण इस कैलेंडर इयर में अब तक टाटा मोटर्स के शेयर में 58 फीसदी की गिरावट आ चुकी है।

हाईकोर्ट पहुंचा पिटाई का मामला, बढ़ सकती है महाराष्ट्र के आवास मंत्री की मुश्किलें

मुंबई, महाराष्ट्र के आवास मंत्री जितेंद्र अव्हाड़ और इंजीनियर के बीच हुए विवाद का मामला बॉम्बे हाईकोर्ट तक पहुंच चुका है. मंत्री अव्हाड़ पर एफआईआर दर्ज करवाने के लिए हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई है. एक मंत्री पर एफआईआर दर्ज करवाने के लिए लगाई गई याचिका पर सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार से पूछा, ष्यह मामला सीबीआई को ट्रांसफर क्यों नहीं कर दिया जाना चाहिए.ष सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने यह भी निर्देश दिया है कि जिस दिन मंत्री की मॉर्फ्ड तस्वीर पोस्ट करने के लिए इंजीनियर को पीटा गया था, उस दिन के अव्हाड़ के घर के आसपास की सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित किए जाएं. बता दें कि याचिका में एफआईआर में अव्हाड़ का नाम शामिल करने की मांग की गई थी. क्योंकि दर्ज एफआईआर अज्ञात लोगों के खिलाफ है. गौरतलब हो कि हाल ही में मुंबई से सटे ठाणे में एक सोशल मीडिया पोस्ट के चक्कर में मंत्री के समर्थकों और पुलिसकर्मियों पर एक सिविल इंजीनियर ने पिटाई करने का आरोप लगाया था. ठाणे शहर के रहने वाले अनंत करमूसे ने आरोप लगाया था कि फेसबुक पोस्ट को लेकर महाराष्ट्र सरकार में मंत्री जितेंद्र अव्हाड़ के समर्थकों ने उनकी पिटाई की है. अनंत के द्वारा पिटाई की जो तस्वीर साझा की गई थी उसमें उनकी पीठ पर पिटाई से आई चोट के काफी निशान हैं. इंजीनियर अनंत करमूसे का आरोप है कि उनके घर पर दो पुलिसवाले आए, जो उन्हें महाराष्ट्र सरकार में मंत्री जितेंद्र अव्हाड के बंगले पर ले गए. वहां पर मंत्री के समर्थकों ने उन्हें बुरी तरह से पीटा, जो कि सिर्फ एक फेसबुक पोस्ट के चक्कर में हुआ.

24 घंटों में कोरोना के 217 केस, 09 मरीजों की मौत और 79 ठीक हुए गुजरात में कोरोना का आंकड़ा पहुंचा 2624 पर, अहमदाबाद में 1600 के पार

अहमदाबाद गुजरात में पिछले 24 घंटों में कोरोना के नए 217 मामले सामने आए हैं कोरोना से 24 घंटों में 9 मरीजों की मौत हो गई है और 79 लोगों के ठीक होने के बाद अस्पताल से डिस्चार्ज किया गया है 217 नए केसों के राज्य में कोरोना मामलों की संख्या 2624 पर पहुंच गई हैद्य जिसमें 112 मरीजों की मौत हो चुकी है और 258 लोग ठीक हो चुके हैंद्य स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख सचिव डॉ. जयंति रवि ने बताया कि बुधवार की शाम 5 बजे से गुरुवार की शाम 5 बजे तक राज्य के 13 जिलों में कोरोना के 217 नए केस सामने आए हैंद्य जिसमें अहमदाबाद में 151, आणंद में 3, अरवल्लीमें 1, भरुच में 5, भावनगर में 1, बोटाद में 2, गांधीनगर में 1, खेडा में 2, पंचमहल में 1, सूरत में 41, वडोदरा में 7, वलसाड में 1 और डांग में कोरोना एक केस दर्ज हुआ हैद्य कोरोना के कुल 217 मरीजों में 150 पुरुष और 67 महिलाएं शामिल हैंद्य उन्होंने बताया कि पिछले 24 घंटों में कोरोना से अहमदाबाद में 7 और सूरत व वडोदरा में एक–एक मरीज की मौत हो गईद्य जबकि अहमदाबाद में 27, वडोदरा में 45, आणंद में 5, छोटाउदेपुर में 1 और खेडा में 1 समेत 79 लोगों के ठीक होने के बाद उन्हें अस्पताल से डिस्चार्ज किया गया हैद्य उन्होंने बताया कि राज्य में 34409 लोग कोरन्टाइन हैं जिसमें 29667 होम कोरन्टाइन, 4436 सरकारी कोरन्टाइन और 306 लोग प्राइवेट फैसिलिटी में कोरन्टाइन हैं जयंति रवि ने बताया कि गुजरात के 29 जिलों में कोरोना पैर पसार चुका है और सबसे अधिक कोरोना के मामले में अहमदाबाद में 1652 दर्ज हुए हैं अहमदाबाद में 69 लोगों की अब तक मौत चुकी है और 113 मरीजों को ठीक होने के बाद अस्पताल से छुट्टी दे गई हैद्य उन्होंने बताया कि वडोदरा में कोरोना के कुल 218, सूरत में 456, राजकोट में 41, भावनगर में 33, आणंद में 33, भरुच में 29, गांधीनगर में 18, पाटन में 15, पंचमहल में 12, बनासकांठा में 16, नर्मदा में 12, छोटाउदेपुर में 11, कच्छ में 6, मेहसाणा में 7, बोटाद में 11, पोरबंदर में 3, दाहोद में 4, गिर सोमनाथ में 3, खेडा में 5, जामनगर में 1, मोरबी में 1, साबरकांठा में 3, अरवल्ली में 18, महीसागर में 9, तापी में 1, वलसाड में 4, नवसारी में 1 और डांग में अब तक 1 केस दर्ज हुआ हैद्य इसी के साथ गुजरात में कोरोना केसों का आंकड़ा 2624 पर पहुंच गया हैद्य जबकि कोरोना से राज्य में 112 मरीजों की अब तक मौत हो चुकी है और 258 लोगों के स्वस्थ होने के बाद उन्हें अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है।

घर चलाने युवाओं ने बदला रोजगार

शहर के ऐसे सैकडों युवाओं के लिए सब्जी और फल बेचना मजबूरी बन गया है, जो कल तक शहर की सड़कों पर ऑटो, रिक्शा और कवाड़ ढोने का काम करते थे। लॉकडाउन होने के बाद उनके पास कोई रोजगार नहीं हैं, ऐसे में अपने घर परिवार के गुजर–बसर के लिए कुछ सब्जियों के ठेले लेकर पेट की खातिर गलियों की खाक छान रहे हैं।

ध्यान रहें कि कोरोना को लेकर लगाए गए लॉकडाउन के एक माह बीत चुके है। ऐसे में कई परिवारों को पालन–पोषण के लिए व्यवसाय बदलकर सडक पर उतरना पडा। शहर में ही रहने वाले कई परिवारों के सदस्य सुबह से ठेले पर तरबूज और अंगूर सहित अन्य फल बेचने के लिए निकल जाते है। उनका कहना है कि कभी नहीं सोचा था कि सडक पर ठेला धकाकर फल सब्जी बेचने पडेगा। जल्द ही लॉक डाउन हट जाए तो अच्छा है।

मदद मिली तो शुरू किया व्यवसाय

लॉक डाउन लगने के बाद जब घर की आर्थिक स्थिति बिगडी तो अपनों ने मदद की लेकिन उस मदद से घर में गल्ला भरने की जगह शहर के कुछ ऐसे स्वाभिमानी युवा है जिन्होंने फल स्ब्जी बेचना मुनासिब समझा। इस व्यवसाय में100 से150 रुपए रोज मिल जाते हैं।

पत्रकार का आरोप, सेंट्रल अस्पताल के डॉक्टरों की लापरवाही से गई मेरी बेटी की जान

उल्हासनगर, । हाल ही में उल्ह. ासनगर के वरिष्ठ पत्रकार और सम. ाजसेवक रामेश्वर गवई की 24 वर्षीय बेटी प्रणाली गवई की पीलिया से जान चली गई. जब ये खबर लोगों को मिली तो किसी को ये विश्वास ही नहीं हो पा रहा था कि पीलिया से प्रणाली की मौत अचानक हो गई. मौत की वजह समय पर इलाज नहीं होना ही माना जा रहा था और ये बात अब सच साबित हो रही है कि किस प्रकार सेन्ट्रल अस्पताल के डॉक्टरों ने लापरवाही बरती जिससे 24 वर्षीय युवती को अपनी जान गंवानी पड़ी. मृतक के पत्रकार पिता रामेश्वर गवई का ये आरोप है कि समय पर डॉक्टरों द्वारा इलाज नहीं करने से उनकी बेटी की जान गई है. उधर सोशल मीडिया पर भी अस्पताल के डॉक्टरों की लापरवाही और इलाज नहीं करने को लेकर आक्रोश जताया जा रहा है. इससे ये बात साफ प्र. तीत हो रही है कि जब सेन्ट्रल अस्पताल के डॉक्टर एक जाने–मने पत्रकार की बेटी के साथ इस तरह का बर्ताव करेंगे तो आम जनता के साथ उनका बर्ताव कैसा होता होगा यह आसानी से अनुमान लगाया जा सकता है. आपको बता दें कि उल्हासनगर 4, सम्राट अशोक नगर में पत्रकार रामेश्वर गवई अपने परिवार के साथ रहते हैं. उनकी बेटी प्रणाली ने आय टी विषय में इंजिनियरिंग किया हुआ था. प्रणाली बचपन से ही पढ़ने में होशियार थी, अब वह यूपीएससी और एमपीएससी परीक्षा की तैयारी कर रही थी. बीते 7 अप्रैल को प्रणाली को टायफॉईड हुआ था, जिसका उपचार सेंट्रल अस्पताल में किया गया था और बाद में सभी रिपार्ट नॉर्मल आये थे. इस बीच 20 अप्रैल की सुबह अचानक प्रणाली की तबियत खराब होने लगी तो दोपहर करीब 12 बजे रामेश्वर गवई स्थानीय समाजसेवक शिवाजी रगडे और अन्य लोगों को साथ लेकर अपनी बेटी के उपचार के लिए उसे सेंट्रल अस्पताल लेकर गए. लेकिन वहां डाक्टरों ने उपचार नहीं किया और कहने लगे कि इसका कोरोना टेस्ट करना पड़ेगा। ये टालमटोल का रवैया दोपहर दो बजे तक चला और तबतक प्रणाली इलाज के लिए तड़पती रही. इस परिस्थिती में रामेश्वर गवई तथा समाजसेवक शिवाजी रगडे ने उल्हासनगर मनपा आयुक्त सुधाकर देशमुख से संपर्क किया तो उन्होंने तुरंत उपचार का आदेश दिया, फिर प्रणाली को उसी दिन निजी धन्वंतरी अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती किया गया, जहां डॉक्टरों ने उपचार शुरू कर दिया पर प्रणाली को नहीं बचा पाए और शाम साढ़े सात बजे प्रणाली की मौत हो गई. हकीकत खुद ब खुद सामने आ जाएगी. इस घटना से रामेश्वर गवई व उनके परिवार पर दुःख का पहाड़ तो टूटा ही है साथ ही समूचा पत्रकार जगत तथा गवई परिवार के मित्र व शुभचिंतक इस घटना से शोकाकुल हैं.

रामेश्वर गवई ने अस्पताल प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया है। पत्रकारों ने भी इस घटना की जांच करने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है ताकि सेन्ट्रल अस्पताल के डॉक्टर भविष्य में दोबारा किसी और परिवार के साथ इलाज में लापरवाही ना करें.

– लापरवाही से इंकार

इस घटना को लेकर सेंट्रल अस्पताल के अधीक्षक डॉ. सुधाकर शिंदे भले ही ये कहें कि अस्पताल के डॉक्टरों की ओर से किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं हुई है, लेकिन वे इस बात को नकार नहीं सकते की दो घंटे तक उनके डॉक्टरों ने प्रणाली का इलाज शुरू नहीं किया. आये दिन इस बात की शिकायतें सुनने को मिलती रहती है कि मामूली इलाज भी सेन्ट्रल अस्पताल के डॉक्टर नहीं करते और मरीज को ठाणे या मुंबई के अस्पतालों में रेफर कर देते हैं. अस्पताल में पूरी तरह से बदहाली का आलम है. अगर निष्पक्ष जांच करवाई गई तो

केईएमम के पांच डॉक्टर समेत 17 लोग कोरोना पॉजिटिव, 300 लोग क्वारंटाईन

मुंबई के परेल स्थित केईएम अस्पताल के 5 डाक्टरों समेत 17 लोगों का कोरोना पॉजिटिव होने से हड़कंप मच गया है. जिसके बाद एहतियातन करीब 300 लोगों को क्वारंटाइन कर दिया गया है. आपको बता दें कि केईएम अस्पताल में हर रोज सैकड़ों की संख्या में लोग उपचार के लिए आते हैं. इनमें कोरोना के संदिग्ध मरीज भी होते हैं. इन सभी का योग्य जांच कर उनका उपचार किया जाता है. अस्पताल के आईसीयू में कोरोना पेसेंट के लिए 75 बेड की व्यवस्था रखी गई है. चूँकि हर रोज बड़ी संख्या में यहां मरीज आ रहे हैं जिसके चलते 5 डॉक्टर 5 डाक्टरों समेत 17 कर्मचारी कोरोना की चपेट में आ गए हैं ऐसा अस्पताल के निवासी डॉक्टरों का मानना है. बताया गया है कि कोरोना पॉजिटव के संपर्क में आये 300 लोगों को एहतियातन क्वारंटाईन किया गया है.

युवक ने दो चचेरी बहनों के साथ किया बलात्कार

चित्रकूट जिले में राजापुर थाना क्षेत्र के एक गांव में युवक ने बहला–फुसलाकर सात और आठ साल की दो चचेरी बहनों के साथ बुधवार की दोपहर कथित रूप से बलात्कार किया है। पुलिस आरोपी युवक की तलाश कर रही है। बृहस्पतिवार को दर्ज प्राथमिकी के मुताबिक राजापुर थाना क्षेत्र के एक गांव में बुधवार की दोपहर करीब एक बजे सात और आठ साल की दो चचेरी बहनें घर के बाहर खेल रही थीं, तभी गांव का युवक बलवीर सिंह दोनों बच्चियों को टॉफी देने के बहाने बहला–फुसलाकर एकांत जगह ले गया और दोनों के साथ बलात्कार किया। वहां से गुजर रहे कुछ लोग बच्चियों की चीख सुनकर घटनास्थल पहुंचे तो युवक भाग गया। परिजनों की शिकायत पर आरोपी युवक बलवीर के खिलाफ ध ाारा–376 आईपीसी और पॉक्सो अधिनियम की संबंधित धारा के तहत मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश में छापेमारी की जा रही है और दोनों बच्चियों का चिकित्सीय परीक्षण कराया गया है।

साईं राम युवक मंडल की ओर से 32 दिन से रोज गरीब लोगों को भोजन करा रहे मंदिर के सदस्यगण बीआरसी प्रभु नगर साईं बाबा मंदिर उधना सुरत

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत,
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000